DEPARTMENT OF HINDI

GDCR

COURSE OUTCOME

PROGRAM OUTCOME

PROGRAM SPECIFIC OUTCOME

2022-23

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव

हिंदी विभाग

त्रिवर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (CBCS And LOCF) प्रारूप

(सत्र 2022–23)

विषय : हिन्दी भाषा

सत्र : 2022–23	**स्नातक : बी. ए.**
सेमेस्टर–1	विषय : सामान्य हिंदी
पाठ्यक्रम का स्वरूप : (योग्यता अभिवृद्धि अनिवार्य पाठ्यक्रम–1) हिंदी भाषा–1	विषय कोड :
केडिट : **05+1=06**	**व्याख्यान : 75+15=90**
अधिकतम अंक : 100	न्यूनतम उत्तीर्णांक : 35
शीर्षक	**पाठ्य विषय : सामान्य हिंदी–1**
Program outcomes : (पाठ्यक्रम प्रतिफल)	व्याकरण का बुनियादी ज्ञान, संप्रेषण, कौशल, सामाजिक संदेश एवं भाषायी दक्षता को ध्यान में रखते हुए यह पाठ्यक्रम प्रस्तावित है। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भाषा बोध और शब्दज्ञान के साथ–साथ हिंदी साहित्य की प्रमुख विधाओं की समझ विकसित करना है। इसके अंतर्गत निम्नलिखित पाठ्य सामग्री शामिल हैं– • कहानी, कविता और व्यंग्य विधा की रचनाएं • पल्लवन, पत्राचार, अनुवाद, पारिभाषिक शब्दावली तथा हिंदी पदनाम। • हिंदी का शब्द ज्ञान, शब्द शुद्धियां, पर्यायवाची, अनेकार्थी तथा समश्रुत शब्द। • देवनागरी लिपि की विशेषताएं, अपठित गद्यांश तथा संक्षेपण। • मानक हिंदी का स्वरूप, विशेषताएं तथा मानक–अमानक हिंदी के स्वरूप।
(Program specific outcomes (Pso) : (पाठ्यक्रम वैशिष्ट्य प्रतिफल)	• हिंदी भाषा का यह व्यावहारिक प्रश्नपत्र है। • इस प्रश्नपत्र के अध्ययन से भाषा के साथ ही साहित्यिक विधाओं की प्रकृति समझने में भी मदद मिलेगी। • इसके अध्ययन से हिंदी भाषा की बारीकियां समझ में आती हैं। • देवनागरी लिपि की वैज्ञानिक जानकारी से विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं में मदद मिलेगी। • इससे कार्यालयीन कार्य में भी लेखकीय त्रुटियों सं बचा जा सकता है। • सामान्य व्यवहार में हिंदी के विविध रूप प्रचलित हैं।

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव

हिंदी विभाग

त्रिवर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (CBCS And LOCF) प्रारूप

(सत्र 2022–23)

विषय : हिन्दी भाषा

सत्र : 2022–23	स्नातक बी.एस.सी.
सेमेस्टर–1	विषय : सामान्य हिंदी
पाठ्यक्रम का स्वरूप : (AECC)-1 (योग्यता अभिवृद्धि अनिवार्य पाठ्यक्रम–1) हिंदी भाषा–1	विषय कोड :
केडिट : 02	व्याख्यान : 40+10=50
अधिकतम अंक : 100	न्यूनतम उत्तीर्णांक : 35
शीर्षक	पाठ्य विषय : सामान्य हिंदी–1
Program outcomes : (पाठ्यक्रम प्रतिफल)	व्याकरण का बुनियादी ज्ञान, संप्रेषण, कौशल, सामाजिक संदेश एवं भाषायी दक्षता को ध्यान में रखते हुए यह पाठ्यक्रम प्रस्तावित है। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में भाषा बोध और शब्दज्ञान की समझ विकसित करना है। इसके अंतर्गत निम्नलिखित पाठ्य सामग्री शामिल हैं– • पल्लवन, पत्राचार, अनुवाद, पारिभाषिक शब्दावली तथा हिंदी पदनाम। • हिंदी का शब्द ज्ञांन, शब्द शुद्धियां, पर्यायवाची, अनेकार्थी तथा समश्रुत शब्द। • देवनागरी लिपि की विशेषताएं, अपठित गद्यांश तथा संक्षेपण। • मानक हिंदी का स्वरूप, विशेषताएं तथा मानक–अमानक हिंदी के स्वरूप।
(Program specific outcomes (Pso) : (पाठ्यक्रम वैशिष्ट्य प्रतिफल)	• हिंदी भाषा का यह व्यावहारिक प्रश्नपत्र है। • इसके अध्ययन से हिंदी भाषा की बारीकियां समझ में आती हैं। • देवनागरी लिपि की वैज्ञानिक जानकारी से कार्यालयीन कार्य में सुविधा होती है। • सामान्य व्यवहार में हिंदी के विविध रूप प्रचलित हैं। अतः हिंदी का मानक रूप समझाने के लिए यह पाठ्य सामग्री अत्यंत आवश्यक है।

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव

हिंदी विभाग

त्रिवर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (CBCS And LOCF) प्रारूप

(सत्र 2022–23)

विषय : हिन्दी भाषा

सत्र : 2022–23	**स्नातक : बी. कॉम.**
सेमेस्टर–1	विषय : सामान्य हिंदी
पाठ्यक्रम का स्वरूप : (योग्यता अभिवृद्धि अनिवार्य पाठ्यक्रम–1) हिंदी भाषा–1	विषय कोड :
क्रेडिट : **05+1**	**व्याख्यान : 75+15**
अधिकतम अंक : 100	न्यूनतम उत्तीर्णांक : 35
शीर्षक	**पाठ्य विषय : सामान्य हिंदी–1**
Program outcomes : (पाठ्यक्रम प्रतिफल)	व्याकरण का बुनियादी ज्ञान, संप्रेषण, कौशल, सामाजिक संदेश एवं भाषायी दक्षता को ध्यान में रखते हुए यह पाठ्यक्रम प्रस्तावित है। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भाषा बोध और शब्दज्ञान के साथ–साथ हिंदी साहित्य की प्रमुख विधाओं की समझ विकसित करना है। इसके अंतर्गत निम्नलिखित पाठ्य सामग्री शामिल हैं– • कहानी, कविता और व्यंग्य विधा की रचनाएं • पल्लवन, पत्राचार, अनुवाद, पारिभाषिक शब्दावली तथा हिंदी पदनाम। • हिंदी का शब्द ज्ञान, शब्द शुद्धियां, पर्यायवाची, अनेकार्थी तथा समश्रुत शब्द। • देवनागरी लिपि की विशेषताएं, अपठित गद्यांश तथा संक्षेपण। • मानक हिंदी का स्वरूप, विशेषताएं तथा मानक–अमानक हिंदी के स्वरूप।
(Program specific outcomes (Pso) : (पाठ्यक्रम वैशिष्ट्य प्रतिफल)	• हिंदी भाषा का यह व्यावहारिक प्रश्नपत्र है। • इस प्रश्नपत्र के अध्ययन से भाषा के साथ ही साहित्यिक विधाओं की प्रकृति समझने में भी मदद मिलेगी। • इसके अध्ययन से हिंदी भाषा की बारीकियां समझ में आती हैं। • देवनागरी लिपि की वैज्ञानिक जानकारी से विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं में मदद मिलेगी। • इससे कार्यालयीन कार्य में भी लेखकीय त्रुटियों सं बचा जा सकता है। • सामान्य व्यवहार में हिंदी के विविध रूप प्रचलित हैं।

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव

हिंदी विभाग

त्रिवर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (CBCS And LOCF) प्रारूप

(सत्र 2022-23)

विषय : हिन्दी भाषा

सत्र : 2022–23	स्नातक बी. ए.
सेमेस्टर–3	विषय : सामान्य हिंदी–2
पाठ्यक्रम का स्वरूप : (AECC)-2 (योग्यता अभिवृद्धि अनिवार्य पाठ्यक्रम–1) हिंदी भाषा–2	विषय कोड :
केडिट : 05+1=06	व्याख्यान : 75+15=90
अधिकतम अंक : 100	न्यूनतम उत्तीर्णांक : 35

शीर्षक	पाठ्य विषय : सामान्य हिंदी–1
Program outcomes : (पाठ्यक्रम प्रतिफल)	• यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों के भाषा कौशल की परख पर आधारित है। • साथ ही हिंदी निबंध विधा की प्रकृति की जानकारी होगी। • इसके अध्ययन से लेखकीय विकास की समझ विकसित होगी। • कार्यालयीन भाषा की प्रकृति के साथ ही हिंदी के विविध स्वरूपों की जानकारी मिलेगी। • किसी भी घटना, प्रसंग या आयोजन का सारतत्व लिखने की समझ विकसित होगी।
Program specific outcomes (Pso) : (पाठ्यक्रम वैशिष्ट्य प्रतिफल) :	• इस पाठ्यक्रम से विद्यार्थियों में भाषा कौशल के साथ ही हिंदी निबंध की साहित्यिक प्रकृति को समझने मे मदद मिलेगी। • संकलित निबंधों के अध्ययन से महात्मा गांधी, आचार्य बिनोबा भावे, आचार्य नरेन्द्र देव, वासुदेव शरण अग्रवाल, भगवत शरण उपाध्याय और हरि ठाकुर जैसे निबंधकारों की निबंध शैली को समझने में सुविधा होगी। • हिंदी भाषा के विविध रूपो के अंतर्गत कार्यालयीन भाषा, मीडिया की भाषा, वित एवं वाणिज्य की भाषा की व्यावहारिक प्रकृति से अवगत कराना इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य रहा है। • संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया विशेषण, संधि और समास हिंदी के ऐसे आधार पाठ्य–विषय हैं, जिनका उपयोग किसी भी प्रतियोगी परीक्षा के लिए अनिवार्य माना गया है। इसलिए इन्हें पाठ्यक्रम का अंश बनाना अनिवार्य माना गया है।

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव

हिंदी विभाग

त्रिवर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (CBCS And LOCF) प्रारूप

(सत्र 2022–23)

विषय : हिन्दी साहित्य

सत्र : 2022–23	स्नातक
सेमेस्टर–1	विषय : हिंदी साहित्य
पाठ्यक्रम का स्वरूप : (CC-1) (मूल पाठ्यक्रम हिंदी–1)	विषय कोड :
क्रेडिट : **05+01**	**व्याख्यान : 75+15**
अधिकतम अंक : 100	न्यूनतम उत्तीर्णांक : 35

शीर्षक	पाठ्य विषय : सामान्य हिंदी–1
Program outcomes : (पाठ्यक्रम प्रतिफल)	सही अर्थ में हिंदी भाषा और साहित्य का विकास आदिकाल से शुरू होता है। इसमें धार्मिक तथा ऐतिहासिक दो प्रकार का साहित्य मिलता है, जो विविध काव्यरूपों में अभिव्यंजित है। मध्यकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि के रूप में इसे प्रतिष्ठापित किया जाता है। मध्यकालीन काव्य में भक्तिकाव्य, जहां लोक जागरण को स्वर देनेवाला है वहीं रीति काल अपने लौकिक श्रृंगारिकता, परिदृश्य में तत्कालीन सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक स्थितियों को बेलौस अभिव्यंजित करता है। अतः भाषा–संस्कृति, विचार, मानवता, काव्यत्व, काव्यरूपता, लौकिकता–पारलौकिकता आदि दृष्टियों से इसका अध्ययन अत्यावश्यक है। इसकी विशिष्ट बातें इस प्रकार हैं– • **प्राचीन से यहां तात्पर्य है–आधुनिक काल से पूर्व का काल।** • प्रमुख कवि कबीरदास, जायसी, सूरदास, तुलसीदास और घनानंद। • अन्य कवि विद्यापति, रहीम और रसखान।
(Program specific outcomes (Pso) : (पाठ्यक्रम वैशिष्ट्य प्रतिफल)	• यह प्रश्नपत्र मध्यकालीन हिंदी साहित्य की पृष्ठभूमि को रेखांकित करता है। इसके अंतर्गत भक्तिकाल और रीतिकाल का संतकाव्य, भक्ति दर्शन और सूफी साहित्य शामिल है। • इसमे कबीर की भक्ति, जायसी का सूफी दर्शन, तुलसी का समन्वय दर्शन और घनानंद का प्रेमदर्शन प्रमुख पाठ्य विषय हैं। • इसके अध्ययन से विद्यार्थियों में साहित्यिक रुचि और साहित्य दर्शन का बोध विकसित होगा। • विद्यापति की भक्ति, रहीम के नीतिपरक दोहे, और रसखान की श्रीकृष्ण भक्ति के अध्ययन से साहित्य के विविध पक्षों का ज्ञान होना स्वाभाविक है।

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव

हिंदी विभाग

त्रिवर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम **(CBCS And LOCF)** प्रारूप

(सत्र 2022–23)

विषय : हिन्दी साहित्य–2

सत्र : 2022–23	स्नातक
सेमेस्टर–2	विषय : हिंदी साहित्य
पाठ्यक्रम का स्वरूप : **(CC-2)** (मूल पाठ्यक्रम हिंदी–1)	विषय कोड :
केडिट : **05+01**	व्याख्यान : **75+15**
अधिकतम अंक : 100	न्यूनतम उत्तीर्णांक : **35**
शीर्षक	पाठ्य विषय : सामान्य हिंदी–1
Program outcomes : (पाठ्यक्रम प्रतिफल)	हिंदी गद्य की प्रमुख विधाओं का इतना द्रुत विकास इनकी लोकप्रियता का प्रमाण प्रस्तुत करता है। इसमें आधुनिक जीवन, अपनी विविध कमियों के साथ यथार्थ रूप में अभिव्यंजित हुआ है। जीवन की अनुभूतियां, संवेदनाओं तथा विविध परिस्थितियों के साक्षात्कार के लिए इनका अध्ययन सर्वथा अपेक्षित है। अतः यहां गद्य की निम्नलिखित पाठ्य सामग्री का अध्ययन अपेक्षित है– • हिंदी की प्रमुख दो विधाएं–कहानी और उपन्यास का अध्ययन । • आलोचनात्मक और व्याख्यात्मक भाषा–ज्ञान। • भाषायी समझ और विधात्मक विभेद का अंतर ज्ञान।
(Program specific outcomes (Psos) : (पाठ्यक्रम वैशिष्ट्य प्रतिफल)	• इसके अंतर्गत हिंदी की कुल आठ कहानियों के साथ मुंशी प्रेमचंद के एक उपन्यास (गबन) का अध्ययन अपेक्षित है। • इनके अध्ययन से हिंदी गद्य की प्रमुख दो गद्य विधाओं की प्रकृति और दोनों रचनागत विशेषताओं का ज्ञान होगा। इसके अंतर्गत व्याख्या और आलोचनात्मक प्रश्न पूछकर विद्यार्थियों की भाषा और रचनात्मक योग्यता का परिचय लिया जा सकता

संशोधित पाठ्यक्रम

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव

हिंदी विभाग

त्रिवर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (CBCS And LOCF) प्रारूप

(सत्र 2022–23)

विषय : हिन्दी भाषा

सत्र : 2022–23	स्नातक बी.एस.सी.
सेमेस्टर–2	विषय : सामान्य हिंदी
पाठ्यक्रम का स्वरूप : (AECC)-1 (योग्यता अभिवृद्धि अनिवार्य पाठ्यक्रम–1) हिंदी भाषा–1	विषय कोड
क्रेडिट : 02	व्याख्यान : 30
अधिकतम अंक : 100	न्यूनतम उत्तीर्णांक : 35
शीर्षक	पाठ्य विषय : सामान्य हिंदी–1
Program outcomes : (पाठ्यक्रम प्रतिफल)	व्याकरण का बुनियादी ज्ञान, संप्रेषण, कौशल, सामाजिक संदेश एवं भाषायी दक्षता को ध्यान में रखते हुए यह पाठ्यक्रम प्रस्तावित है। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में भाषा बोध और शब्दज्ञान की समझ विकसित करना है. इसके अंतर्गत निम्नलिखित पाठ्य सामग्री शामिल है– • पल्लवन, पत्राचार, अनुवाद, पारिभाषिक शब्दावली तथा हिंदी पदनाम। • हिंदी का शब्द ज्ञान, शब्द शुद्धियां पर्यायवाची अनेकार्थी तथा समश्रुत शब्द। • देवनागरी लिपि की विशेषताए अपठित गद्यांश तथा संक्षेपण। • मानक हिंदी का स्वरूप, विशेषताए तथा मानक–अमानक हिंदी के स्वरूप।
(Program specific outcomes (Pso) : (पाठ्यक्रम वैशिष्ट्य प्रतिफल)	• हिंदी भाषा का यह व्यावहारिक प्रश्नपत्र है। • इसके अध्ययन से हिंदी भाषा की बारीकिया समझ मे आती है। • देवनागरी लिपि की वैज्ञानिक जानकारी से कार्यालयीन कार्य मे सुविधा होती है। • सामान्य व्यवहार मे हिंदी के विविध रूप प्रचलित है। अत: हिंदी का मानक रूप समझाने के लिए यह पाठ्य सामग्री अत्यंत आवश्यक है।

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव
हिंदी विभाग
त्रिवर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (CBCS And LOCF) प्रारूप
(सत्र 2022–23)
विषय : हिन्दी भाषा

सत्र : 2022–23	**स्नातक : बी. ए. / बी.कॉम.**
सेमेस्टर–2	विषय : सामान्य हिंदी
पाठ्यक्रम का स्वरूप : (योग्यता अभिवृद्धि अनिवार्य पाठ्यक्रम–1) हिंदी भाषा–1	विषय कोड :
क्रेडिट : 04	**व्याख्यान : 60**
अधिकतम अंक : 75	न्यूनतम उत्तीर्णांक : 18
शीर्षक	पाठ्य विषय : सामान्य हिंदी–1
Program outcomes : (पाठ्यक्रम प्रतिफल)	व्याकरण का बुनियादी ज्ञान, संप्रेषण, कौशल, सामाजिक संदेश एवं भाषायी दक्षता को ध्यान में रखते हुए यह पाठ्यक्रम प्रस्तावित है। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भाषा बोध और शब्दज्ञान के साथ–साथ हिंदी साहित्य की प्रमुख विधाओं की समझ विकसित करना है। इसके अंतर्गत निम्नलिखित पाठ्य सामग्री शामिल हैं– • कहानी, कविता और व्यंग्य विधा की रचनाएं • पल्लवन, पत्राचार, अनुवाद, पारिभाषिक शब्दावली तथा हिंदी पदनाम। • हिंदी का शब्द ज्ञान, शब्द शुद्धियां, पर्यायवाची, अनेकार्थी तथा समश्रुत शब्द। • देवनागरी लिपि की विशेषताएं, अपठित गद्यांश तथा संक्षेपण। • मानक हिंदी का स्वरूप, विशेषताएं तथा मानक–अमानक हिंदी के स्वरूप।
(Program specific outcomes (Pso) : (पाठ्यक्रम वैशिष्ट्य प्रतिफल)	• हिंदी भाषा का यह व्यावहारिक प्रश्नपत्र है। • इस प्रश्नपत्र के अध्ययन से भाषा के साथ ही साहित्यिक विधाओं की प्रकृति समझने में भी मदद मिलेगी। • इसके अध्ययन से हिंदी भाषा की बारीकियां समझ में आती हैं। • देवनागरी लिपि की वैज्ञानिक जानकारी से विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं में मदद मिलेगी। • इससे कार्यालयीन कार्य में भी लेखकीय त्रुटियों सं बचा जा सकता है। • सामान्य व्यवहार में हिंदी के विविध रूप प्रचलित हैं।

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव

हिंदी विभाग

त्रिवर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (CBCS And LOCF) प्रारूप

(सत्र 2022–23)

विषय हिन्दी साहित्य–2

सत्र : 2022–23	स्नातक
सेमेस्टर–2	विषय : हिंदी साहित्य
पाठ्यक्रम का स्वरूप : (CC-2) (मूल पाठ्यक्रम हिंदी–1)	विषय कोड :
क्रेडिट : 04	व्याख्यान : 60
अधिकतम अंक : 75	न्यूनतम उत्तीर्णांक : 18

शीर्षक	पाठ्य विषय : सामान्य हिंदी–1
Program outcomes : (पाठ्यक्रम प्रतिफल)	हिंदी गद्य की प्रमुख विधाओं का इतना द्रुत विकास इनकी लोकप्रियता का प्रमाण प्रस्तुत करता है। इसमे आधुनिक जीवन, अपनी विविध कमियों के साथ यथार्थ रूप में अभिव्यंजित हुआ है। जीवन की अनुभूतियां, संवेदनाओं तथा विविध परिस्थितियों के साक्षात्कार के लिए इनका अध्ययन सर्वथा अपेक्षित है। अतः यहां गद्य की निम्नलिखित पाठ्य सामग्री का अध्ययन अपेक्षित है– • हिंदी की प्रमुख दो विधाएं–कहानी और उपन्यास का अध्ययन । • आलोचनात्मक और व्याख्यात्मक भाषा–ज्ञान। • भाषायी समझ और विधात्मक विभेद का अतर ज्ञान।
(Program specific outcomes (Psos) : (पाठ्यक्रम वैशिष्ट्य प्रतिफल)	• इसके अंतर्गत हिंदी की कुल आठ कहानियों के साथ मुंशी प्रेमचद के एक उपन्यास (गबन) का अध्ययन अपेक्षित है। • इनके अध्ययन से हिंदी गद्य की प्रमुख दो गद्य विधाओं की प्रकृति और दोनों रचनागत विशेषताओं का ज्ञान होगा। इसके अंतर्गत व्याख्या और आलोचनात्मक प्रश्न पूछकर विद्यार्थियों की भाषा और रचनात्मक योग्यता का परिचय लिया जा सकता
इकाई व्याख्यान	पाठ्य विषय